

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



रजि.न.34300/80 | संख्या 307 | श्री विजयपुरम, गुरूवार, 19 नवंबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल ने ग्रेट निकोबार द्वीप में दूरसंचार कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने हेतु 5 करोड़ रूपए की परियोजना को दी मंजूरी

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर। ऑल–डाइइलेक्ट्रिक सेल्फ–सपोर्टिंग (एडीएसएस) ऑप्टिकल फाइबर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश केबल बिछाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। लोक निवास से प्राप्त शर्मा जी ने ग्रेट निकोबार द्वीप की दूरसंचार अवसंरचना एवं संचार विज्ञप्ति के अनुसार इस परियोजना के कार्यान्वयन से क्षेत्र में निर्बाध एवं कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 5 करोड़ रूपए की लागत से सुदृढ़ संचार कनेक्टिविटी सुनिश्चित होने के साथ–साथ प्रशासनिक कार्यप्रणाली लक्ष्मी नगर से गलाथिया बे तक लगभग 40 किलोमीटर लंबी में सुधार होगा तथा आपदा प्रबंधन की क्षमता में भी वृद्धि होगी।



लोक निवास, श्री विजयपुरम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से कैंपबेल बे के ज़िला परिषद सदस्य श्री संजय सिंह एवं कैंपबेल बे के सिख समुदाय के श्री दलविंदर सिंह एवं उनके प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार भेंटकर स्थानीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा की।



लोक निवास, श्री विजयपुरम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से गुप्तापाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के ज़िला परिषद सदस्य श्री प्रकाश अधिकारी एवं उनके प्रतिनिधि मंडल ने भेंटकर, समस्याओं से अवगत कराया। उनके आमंत्रण पर शीघ्र ही प्रवास हेतु सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, गुप्तापाडा, श्री दुर्लभ दास, सदस्य पंचायत समिति श्री निर्मल सरकार, सदस्य पंचायत समिति, वन्डूर श्री भरत शर्मा, उप प्रधान ग्राम पंचायत श्री उत्तम दास आदि उपस्थित रहे।

द्वीप पर्यटन महोत्सव–2026 : स्टॉल आवंटन हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा द्वीप पर्यटन महोत्सव (आईटीएफ)–2026 के दौरान खाद्य स्टॉल, सामान्य स्टॉल, कियोस्क तथा खुले स्थानों के आवंटन हेतु इच्छुक होटल व्यवसायियों, रेस्तरां संचालकों, निजी फर्मों, खाद्य विक्रेताओं, स्थानीय शिल्पकारों एवं अन्य पात्र प्रतिभागियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह महोत्सव 27 से 31 दिसंबर, 2026 तक प्रदर्शनी मैदान, श्री विजयपुरम में आयोजित किया जाएगा।

आवेदन पत्र, विस्तृत दिशा–निर्देश, किराया शुल्क तथा नियम एवं शर्तें विभाग की आधिकारिक वेबसाइट **https://tourism.andamannicobar.gov.in/** से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सभी आवश्यक सहायक दस्तावेज़ों तथा निर्धारित स्टॉल किराये और सुरक्षा जमा राशि के लिए डिमांड ड्राफ्ट सहित विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र 25 नवंबर, 2026 को सायं 5 बजे तक परिचालन अनुभाग, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, श्री विजयपुरम में जमा करने होंगे। आवेदकों से अनुरोध है कि वे आगे की प्रक्रिया के लिए निर्धारित तिथियों का भी ध्यान रखें :–

क्र.सं.	विवरण	तिथि
1.	विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	25.11.2026, सायं 5 बजे तक
2.	आवेदन पत्रों की जांच	27.11.2026
3.	रिक्त स्टॉलों के मामले में पुनः विज्ञापन जारी करना	30.11.2026
4.	समिति द्वारा लॉटरी के माध्यम से स्टॉलों का आवंटन	04.12.2026, शाम 3 बजे
5.	सफल आवेदकों को आवंटन पत्र जारी करना	07.12.2026

महत्वपूर्ण सूचना : पूरे महोत्सव परिसर में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। सभी स्टॉल संचालकों एवं प्रतिभागियों के लिए इस नियम का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा। निर्धारित नियमों एवं शर्तों का किसी भी प्रकार से उल्लंघन अथवा अनुपालन नहीं किए जाने की स्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के स्टॉल आवंटन रद्द किया जा सकता है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आवेदन प्रक्रिया एवं स्टॉल आवंटन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक कार्यालय समय (प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक) निदेशालय के प्रबंधक (परिचालन व पर्यटन) से संपर्क कर सकते हैं।

द्वीपों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने हेतु इच्छुक आवेदकों को आमंत्रण

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

जनता को किफ़ायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने के लिए इच्छुक व्यक्तियों, उद्यमियों, प्रतिष्ठान मालिकों, गैर–सरकारी संगठनों, धर्मार्थ संस्थाओं, न्यासों, समितियों, फर्मों एवं निजी कंपनियों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पात्र आवेदक योजना के प्रचलित दिशा–निर्देशों, पात्रता शर्तों एवं वैधानिक आवश्यकताओं के अधीन सीधे पीएमबीआई के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों के लिए निर्धारित शर्तों को पूरा करना आवश्यक होगा। इनमें उपयुक्त परिसर की उपलब्धता, योग्य एवं पंजीकृत फार्मासिस्ट की नियुक्ति, आवश्यक औषधि लाइसेंस प्राप्त करना तथा पीएमबीआई द्वारा अपेक्षित दस्तावेज़ जमा करना शामिल है।

इच्छुक आवेदक विस्तृत दिशा–निर्देशों, आवेदन प्रक्रिया

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस भर्ती अभियान–2026 : दस्तावेज़ों की जांच एवं सत्यापन 30 नवंबर से

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के चार विभिन्न केंद्रों पर 7 सितंबर, 2026 से 13 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित शारीरिक माप एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि संबंधित पदों के लिए निर्धारित पात्रता सुनिश्चित करने हेतु उनके दस्तावेज़ों की जांच एवं सत्यापन किया जाना आवश्यक है। यह प्रक्रिया 30 नवंबर, 2026 से विभिन्न निर्धारित केंद्रों पर प्रारंभ होगी।

श्री विजयपुरम, मायाबंदर, कार निकोबार एवं कैंपबेल बे में दस्तावेज़ सत्यापन का विस्तृत कार्यक्रम 20 से 23 नवंबर, 2026 तक अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट **https://police.andamannicobar.gov.in** पर प्रकाशित किया जाएगा।

सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे दस्तावेज़ सत्यापन के कार्यक्रम एवं इस संबंध में जारी किए जाने वाले अन्य निर्देशों की जानकारी के लिए अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें।

किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा स्पष्टीकरण के लिए अभ्यर्थी पुलिस मुख्यालय, श्री विजयपुरम, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के भर्ती प्रकोष्ठ से निम्नलिखित माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं:

- ई–मेल : **recruitment.phq@and.nic.in**
- दूरभाष : 03192–230735
- संपर्क का समय : सभी कार्यदिवसों में प्रातः 9.30 बजे से सायं 5 बजे तक।

पुलिस मुख्यालय के पुलिस अधीक्षक (भर्ती) से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में सभी अभ्यर्थियों को उपर्युक्त जानकारी का संज्ञान लेने तथा निर्धारित दस्तावेज़ जांच कार्यक्रम के अनुसार समय पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।

एंडरसन द्वीप की एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना के प्रारूप पर 26 नवंबर को होगी जन सुनवाई

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

पर्यावरण एवं वन विभाग ने एंडरसन द्वीप की एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना (आईआईएमपी) का प्रारूप तैयार करने के संबंध में पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 के अंतर्गत जन सुनवाई आयोजित करने के लिए आवेदन किया है। इस संबंध में 28 जुलाई, 2026 को डेली टेलीग्राम में एक समाचार प्रकाशित किया गया था, जिसमें आम जनता एवं अन्य हितधारकों से समाचार प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर सुझाव आमंत्रित किए गए थे। इसके अतिरिक्त, एंडरसन द्वीप की एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना के प्रारूप, तटीय भूमि उपयोग मानचित्र तथा भू–आकृति विज्ञान मानचित्र की सॉफ्ट प्रतियां अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइट **https://andamannicobar.gov.in/** तथा अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यावरण एवं वन विभाग की वेबसाइट **https://forest.and.nic.in/** पर उपलब्ध कराई गई हैं। एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना के प्रारूप की सॉफ्ट प्रतियां विभिन्न कार्यालयों में भी उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें अध्यक्ष कार्यालय, अण्डमान तथा निकोबार तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण (एएनसीज़ेडएमए), मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का कार्यालय, सदस्य सचिव कार्यालय, एएनसीज़ेडएमए (अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सीआरज़ेड एवं एफसी), वन सदन, हैडो, उपायुक्त (उत्तर व मध्य अण्डमान) का कार्यालय, प्रभागीय वन अधिकारी, मायाबंदर, अपर ज़िला मजिस्ट्रेट,

शेष पृष्ठ 4 पर

चाथम आरा मिल के श्रमिकों के लिए लगा व्यापक स्वास्थ्य शिविर



श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा 29 अक्टूबर को चाथम आरा मिल के श्रमिकों के लिए व्यापक स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर से 100 से अधिक श्रमिक लाभान्वित हुए। शिविर में उनके सामान्य स्वास्थ्य की विस्तृत जांच के साथ–साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप, नेत्र संबंधी विकारों, त्वचा रोगों तथा कान संबंधी समस्याओं की जांच की गई। सामान्य बाह्य रोगी परामर्श भी प्रदान किया गया तथा आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार नैदानिक जांच एवं उपचार के अतिरिक्त, श्रमिकों की स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों के आधार पर उन्हें व्यक्तिगत स्वास्थ्य शिक्षा एवं परामर्श भी प्रदान किया गया। इन सत्रों में दवाइयों का नियमित सेवन, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, निवारक उपायों तथा समय पर चिकित्सकीय अनुवर्ती जांच कराने के महत्व पर विशेष ज़ोर दिया गया।

रंगत में पेंशन अदालत एवं डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र अभियान 23 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

संयुक्त संचार लेखा नियंत्रक कार्यालय, अण्डमान तथा निकोबार सर्किल द्वारा दूरसंचार विभाग (डीओटी) एवं भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के अण्डमान तथा निकोबार सर्किल के पेंशनभोगियों के लिए त्रैमासिक पेंशन अदालत तथा डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र (डीएलसी) 5.0 अभियान का आयोजन 23 नवंबर को प्रातः 10 बजे बीएसएनएल कार्यालय, रंगत में किया जाएगा।

दूरसंचार विभाग एवं बीएसएनएल के पेंशनभोगियों से अनुरोध किया गया है कि यदि उनकी कोई शिकायत हो, तो उसे डाक अथवा ई–मेल **dyccaan.and@nic.in** के माध्यम से भेजें, ताकि वह 20 नवंबर, 2026 तक इस कार्यालय में पहुंच जाए।

अण्डमान तथा निकोबार सर्किल के सभी दूरसंचार विभाग एवं बीएसएनएल पेंशनभोगियों को उपर्युक्त स्थान पर आयोजित डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र 5.0 अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है, जहां वे अपना डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र जमा करने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार किसी भी प्रकार की पूछताछ अथवा अधिक जानकारी के लिए पेंशनभोगी सहायक लेखा अधिकारी (पेंशन) से मोबाइल नंबर 8900900528 पर संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सब–जूनियर बालिका फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल 22 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार फुटबॉल संघ द्वारा आगामी राष्ट्रीय सब–जूनियर बालिका फुटबॉल चैंपियनशिप 2026–27 के लिए चयन ट्रायल का आयोजन 22 नवंबर, 2026 को सुबह 9 बजे से प्रेम नगर स्थित निर्मला स्कूल के निकट कैथोलिक चर्च मैदान में किया जाएगा। चयन ट्रायल तथा राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 में भाग लेने के लिए 1 जनवरी, 2013 से 31 दिसंबर, 2014 के बीच जन्मी खिलाड़ी पात्र होंगी। सभी ज़िलों, विभागों, क्लबों, सेवाओं एवं गांवों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी खिलाड़ियों को निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए भेजें। अधिक जानकारी के लिए 9476079195 एवं 9434281791 पर संपर्क किया जा सकता है।

रंगत थाना पुलिस की गहन जांच से शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में आरोपी दोषी करार

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान की अदालत ने 12 नवंबर, 2026 को रंगत थाना में दर्ज़ अपराध संख्या 02/26, दिनांक 08.01.2026 के संबंध में आरोपी को दोषी करार दिया। यह मामला शराब के नशे में लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई सड़क दुर्घटना से संबंधित था, जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

हेड कांस्टेबल/221 शीबू द्वारा थाना प्रभारी, रंगत निरीक्षक मोहम्मद समीर की निगरानी में की गई गहन एवं विस्तृत जांच के परिणामस्वरूप आरोपी को दोषी ठहराया गया। अदालत ने आरोपी पर 17,000 रुपये का जुर्माना लगाया तथा जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में छह माह के साधारण कारावास की सज़ा सुनाई।

उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सज़ा उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला पुलिस की लापरवाही से वाहन चलाने तथा शराब के नशे में वाहन चलाने के मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करने, सड़क सुरक्षा बनाए रखने और पेशेवर, सतर्क एवं साक्ष्य–आधारित जांच के माध्यम से पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित

श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह–2026 के एक भाग के रूप में यहां के राज्य पुस्तकालय में गत 15, 16 और 17 नवम्बर को चित्रकला, वाकपटुता, निबंध तथा कथा वाचन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। राज्य पुस्तकालय से प्राप्त नतीजों के अनुसार कक्षा छठवीं से आठवीं के इंटरमीडियेट वर्ग के लिए आयोजित वाकपटुता प्रतियोगिता (अंग्रेज़ी) में कार्मल स्कूल की सातवीं कक्षा की वेदिका राज कृष्णन, इसी स्कूल के सातवीं कक्षा के मेधांश राजेश, निर्मला स्कूल की छठवीं कक्षा की आर. दीक्षिका तथा सागरीतारा स्कूल के छठवीं कक्षा के एस. जीवा को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कक्षा नौवीं से बारहवीं के वरिष्ठ वर्ग के लिए आयोजित वाकपटुता प्रतियोगिता (अंग्रेज़ी) में कार्मल स्कूल की दसवीं कक्षा की फिज़ा तारीक़, खाल्सा पब्लिक स्कूल की बारहवीं कक्षा की एस. शिवारंजनी, इसी स्कूल की नौवीं कक्षा की अलीना हसन तथा भातूबस्ती स्कूल की नौवीं कक्षा की सी. जूलिया को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार मिला।

तीसरी से पांचवी कक्षा के कनिष्ठ वर्ग के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में नेवी चिल्ड्रन स्कूल की पांचवी कक्षा की अदरिज़ा हाज़रा, भातूबस्ती स्कूल की पांचवी कक्षा की माही साहा, खाल्सा पब्लिक स्कूल के चौथी कक्षा के के.धनुष तथा सागरीतारा स्कूल के चौथी कक्षा के जन्नत अली को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार हासिल हुआ।

कक्षा छठवीं से आठवीं के इंटरमीडियेट वर्ग के लिए अंग्रेज़ी में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में खाल्सा पब्लिक स्कूल की आठवीं कक्षा की के. पूजा, निर्मला स्कूल की सातवीं कक्षा की के. हरनी, भातूबस्ती स्कूल के आठवीं कक्षा के ए. आर्व यधवार तथा सागरीतारा स्कूल की आठवीं कक्षा की एम. मधुलता को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कक्षा नौवीं से बारहवीं के वरिष्ठ वर्ग के लिए अंग्रेज़ी में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कार्मल स्कूल की बारहवीं कक्षा की सुहाना अली, सरस्वती शिशु मंदिर के बारहवीं कक्षा के सुप्रोदीप बिस्वास, भातूबस्ती स्कूल की दसवीं कक्षा की आर. रीति श्रेया तथा मॉडल स्कूल की ग्यारहवीं कक्षा की जी. हसिनी को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार मिला।

कक्षा छठवीं से आठवीं के इंटरमीडियेट वर्ग के लिए हिन्दी में आयोजित वाकपटुता प्रतियोगिता में नेवी चिल्ड्रन स्कूल के आठवीं कक्षा के शगुन अनिश, निर्मला स्कूल की सातवीं कक्षा की ईशाना प्रसन्न टोप्नो, खाल्सा पब्लिक स्कूल की आठवीं कक्षा की हर्षिका देवी तथा मॉडल स्कूल की छठवीं कक्षा की अनुष्का तिवारी को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार हासिल हुआ।

कक्षा नौवीं से बारहवीं के वरिष्ठ वर्ग के लिए हिन्दी में आयोजित वाकपटुता प्रतियोगिता में कार्मल स्कूल के नौवीं कक्षा के एम. मोहम्मद इरफान, नेवी चिल्ड्रन स्कूल के ग्यारहवीं कक्षा के आरूष चौधरी, खाल्सा पब्लिक स्कूल की नौवीं कक्षा की रीफा आयशा तथा पीएम श्री प्रोथरापुर स्कूल की बारहवीं कक्षा की अनुश्रिया को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कक्षा तीसरी से पांचवी कक्षा के कनिष्ठ वर्ग के लिए अंग्रेज़ी में आयोजित कथा वाचन प्रतियोगिता में नेवी चिल्ड्रन स्कूल की पांचवी कक्षा की शाइना, कार्मल स्कूल की पांचवीं कक्षा की दीत्या कौल, आर्मी पब्लिक स्कूल के चौथी कक्षा के अधि देव तथा नेवी चिल्ड्रन स्कूल की चौथी कक्षा की अधिरा चौधरी को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार हासिल हुआ।

द्वीपों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने ——————पृष्ठ 1 का शेष

एवं निर्धारित दस्तावेज़ों की जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट **https://www.janaushadhi.gov.in/apply-for-kendra** देख सकते हैं।

योजना से संबंधित जानकारी के लिए आवेदक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई), कार्यालय 5 बी–500, टावर बी, पांचवीं मंजिल, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली–110029, पते एवं दूरभाष नंबर 011–49431800 पर पीएमबीआई से संपर्क कर सकते हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रत्येक जन औषधि केंद्र को खोलने एवं संचालित करने की अनुमति पीएमबीआई की स्वीकृति तथा सभी लागू वैधानिक एवं योजना संबंधी आवश्यकताओं के अनुपालन के अधीन होगी।

एंडरसन द्वीप की एकीकृत द्वीप प्रबंधन ——————पृष्ठ 1 का शेष

उत्तर व मध्य अण्डमान, सदस्य सचिव, प्रदूषण नियंत्रण समिति, निदेशक, कला एवं संस्कृति, निदेशक, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन, निदेशक, जनजातीय कल्याण, तहसीलदार, मायाबंदर तथा रेंज अधिकारी, टुगापुर के कार्यालय शामिल हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस संबंध में एंडरसन द्वीप की एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना के प्रारूप को तैयार करने हेतु 26 नवंबर, 2026 को प्रातः 11 बजे उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले की मायाबंदर तहसील के चैनपुर सामुदायिक भवन में जन सुनवाई आयोजित की जाएगी।

तीसरी ग्लोबल एकेडमी ऑफ मॉडर्न फिटनेस कप–2026 प्रतियोगिता संपन्न



श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

तीसरी ग्लोबल एकेडमी ऑफ मॉडर्न फिटनेस (जीएएमएफ) कप–2026 प्रतियोगिता दो दिनों तक आयोजित रोमांचक मार्शल आर्ट्स मुकाबलों के बाद 15 नवंबर को बिग्गी लाइन स्थित यादव सांस्कृतिक संघ हॉल में संपन्न हुई। प्रतियोगिता का आयोजन 14 एवं 15 नवंबर को किया गया था।

उद्घाटन समारोह में माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि समापन समारोह में टीएसजी फाउंडेशन के संस्थापक श्री टी.एस.जी. भास्कर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस आयोजन का संचालन जीएएमएफ के संस्थापक एवं ग्रैंड मास्टर शिहान एम.एस. मुरुगन के मार्गदर्शन में किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जीएएमएफ की विभिन्न शाखाओं के प्रतिभागियों ने अलग–अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और 360 से अधिक पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समग्र चैंपियनशिप ट्रॉफी के साथ–साथ मेधावी विद्यार्थियों को उनके नेतृत्व कौशल, समर्पण एवं खेल भावना के सम्मान में प्रशस्ति स्वरूप स्मृति चिह्न भी प्रदान किए गए।

अण्डमान लॉ कॉलेज में आपदा से निपटने की तैयारियों पर जागरूकता सत्र संचालित







श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

अण्डमान लॉ कॉलेज ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के सहयोग से मंगलवार को विद्यार्थियों के लिए आपदा की तैयारी, आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं जीवन रक्षक तकनीकों पर सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य युवाओं को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए आवश्यक जानकारी एवं व्यावहारिक कौशल से अवगत कराना था।

एनडीआरएफ के टीम कमांडर एवं उपनिरीक्षक श्री कौशल कुमार परारी ने बताया कि द्वीपसमूह भूकंप, चक्रवात एवं सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसी परिस्थितियों में सुरक्षित रहने, संकट में फंसे लोगों की सहायता करने तथा खतरे में पड़ी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए पूर्व तैयारी, आपदा से निपटने की क्षमता एवं आवश्यक जानकारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में पूर्व तैयारी, समय पर कार्रवाई, बचाव अभियान तथा आपसी समन्वय के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर संवादात्मक सत्र तथा व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किए गए। एनडीआरएफ की टीम ने सुनामी एवं जल बचाव अभियान, अग्नि सुरक्षा एवं आग बुझाने की तकनीक, हृदय–फुफुसीय पुनर्जीवन (सीपीआर), दम घुटने की स्थिति में आपातकालीन सहायता, सर्पदंश में प्राथमिक उपचार तथा बुनियादी खोज एवं बचाव प्रक्रियाओं सहित विभिन्न जीवन रक्षक तकनीकों का प्रदर्शन किया।

आपदाओं के दौरान सबसे अधिक संवेदनशील व्यक्तियों की पहचान करने एवं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सहायता प्रदान करने पर विशेष ज़ोर दिया गया। इनमें बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांगजन तथा अन्य ऐसे व्यक्ति शामिल हैं, जिन्हें विशेष सहायता की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों ने संवादात्मक सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर निर्भर रहने के बजाय आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के व्यावहारिक तरीके सीखे।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. वी. एन. सरमा ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि कक्षा–कक्ष से बाहर जीवन रक्षक कौशल का ज्ञान जीवन और मृत्यु के बीच अंतर पैदा कर सकता है। उन्होंने एनडीआरएफ टीम प्रमुख को भारतीय संविधान की एक प्रति भेंट की। कार्यक्रम का समन्वय शारीरिक शिक्षा के सहायक निदेशक डॉ. राजीव मंडल ने किया।

जेएनआरएम में पॉश अधिनियम पर जागृति लाई गई



श्री विजयपुरम, 18 नवंबर।

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजयपुरम में 17 नवंबर, 2026 को महाविद्यालय के व्याख्यान कक्ष में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम (पॉश) के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जेएनआरएम की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य महाविद्यालय के शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों को लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, सहमति, गरिमा, सम्मानजनक व्यवहार, व्यावसायिक सीमाओं तथा शिकायतों की रोकथाम एवं निवारण के लिए उपलब्ध वैधानिक व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर एवं जेएनआरएम की आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष डॉ. लीलामणि के स्वागत संबोधन से हुआ। इस अवसर पर संसाधन विशेषज्ञ सुश्री रुबीना सिद्दीक़ी ने पॉश व्यवस्था के प्रावधानों एवं सिद्धांतों पर जानकारीपूर्ण एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किया। वे 'राइट्स फॉर ऑल' (आरएफए) गैर–सरकारी संगठन की अध्यक्ष, प्रमाणित पीओएसएच मास्टर प्रशिक्षक एवं सलाहकार, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ तथा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के शी–बॉक्स पोर्टल की सूचीबद्ध विशेषज्ञ हैं।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सत्र में लैंगिक उत्पीड़न को समझने, सहमति एवं सम्मानजनक व्यवहार, व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत सीमाओं, व्यक्तिगत अधिकारों एवं जिम्मेदारियों, आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका एवं कार्यों, शिकायत एवं जांच प्रक्रिया, गोपनीयता तथा उपलब्ध शिकायत निवारण व्यवस्थाओं सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को उचित प्रतिक्रिया देने के तरीकों से परिचित कराने तथा सुरक्षित, गरिमापूर्ण एवं सम्मानजनक कार्यस्थल बनाए रखने के महत्व को समझाने के लिए व्यावहारिक परिस्थितियों एवं वास्तविक मामलों पर आधारित उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए। सत्र को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाने के लिए संवादात्मक खेलों एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जेएनआरएम की आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष डॉ. लीलामणि द्वारा सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई गई।

कार निकोबार में ज़िला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद–2026 का आयोजन

कार निकोबार, 18 नवंबर।

मेरा युवा भारत, कार निकोबार द्वारा कल आईटीआई एरोंग, कार निकोबार के सम्मेलन कक्ष में 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' विषय पर ज़िला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद–2026 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय की पहल 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाईएलडी)–2027' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य युवा नेतृत्व को प्रोत्साहित करना, लोकतांत्रिक जागरूकता बढ़ाना तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में आईटीआई एरोंग, कार निकोबार के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कार निकोबार जनजातीय परिषद के संयुक्त सचिव श्री ओथानियल सोलोमन ने युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति ज़िम्मेदार समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मानित अतिथि आईटीआई, कार निकोबार के प्रभारी श्री रामचंद्र राव तथा बी.जे.आर. अस्पताल, कार निकोबार के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनवर मूसा ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और ऐसे मंचों के माध्यम से अपने ज्ञान, आत्मविश्वास एवं संवाद कौशल को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एरोंग के प्रथम मुखिया की महिला प्रतिनिधि श्रीमती जोहेना विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' रहा। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को संसदीय शैली में भाषण एवं विचार–विमर्श के जरिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दे पर अपने विचार, तर्क एवं दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर मिला। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता से चयनित प्रतिनिधि श्री विजयपुरम में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्हें जनवरी, 2027 में नई दिल्ली स्थित भारत की संसद के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की विकसित भारत युवा संसद में भाग लेने का अवसर भी मिल सकता है। यह उनके लिए राष्ट्रीय मंच पर अपने विचार प्रस्तुत करने का एक अनूठा अवसर होगा।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

भारत की पहली स्वदेशी एच5एन1 चिकन वैक्सीन 20 नवंबर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे केंद्रीय कृषि मंत्री

नई दिल्ली, 18 नवंबर (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को भारत की पहली स्वदेशी निष्क्रिय एच5एन1 (क्लेड 2.3.2.1ए) बर्ड फ्लू वैक्सीन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मुर्गियों के लिए विकसित इस वैक्सीन को भोपाल स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (आईसीएआर–एनआईएचएसएडी) ने तैयार किया है। यह देश में इस वायरस के खिलाफ विकसित अपनी तरह की पहली वैक्सीन है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, वैक्सीन को 20 नवंबर को भोपाल स्थित आईसीएआर–एनआईएचएसएडी में राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। यह वैक्सीन देश में फैल रहे एच5एन1 वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए स्ट्रेन से मुर्गियों को सुरक्षा देने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

मंत्रालय के अनुसार, अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लुएंजा (एचपीएआई), जिसे आमतौर पर बर्ड फ्लू कहा जाता है, मुर्गियों को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी है। इसके प्रकोप में संक्रमित पक्षियों की मृत्यु दर करीब 100 फीसदी तक हो सकती है। बीमारी के कारण बड़े पैमाने पर पक्षियों को मारना पड़ता है और व्यापार पर प्रतिबंध लगते हैं। इससे पोल्ट्री किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होता है। इसका असर पोल्ट्री उत्पादों के वैश्विक व्यापार, कीमतों और किसानों की आजीविका पर भी पड़ता है।

भारत में 2006 में पहली बार इस बीमारी का पता चलने के बाद से एच5एन1 और एच5एन8 उपप्रकारों के 500 से अधिक संयुक्त प्रकोप सामने आ चुके हैं। मंत्रालय के



अनुसार, बर्ड फ्लू का बड़ा प्रकोप भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि को 1.5 फीसदी तक कम कर सकता है। बीमारी के अनियंत्रित प्रसार की स्थिति में देश की 20 फीसदी से अधिक पोल्ट्री आबादी जोखिम में आ सकती है। वर्ष 2006 के प्रकोप से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 2,200 से 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। मणिपुर में हुए प्रकोप से राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 0.5 फीसदी के बराबर नुकसान हुआ था।

वायरस के अध्ययन से पता चला है कि एच5एन1 का क्लेड 2.3.2.1ए स्ट्रेन मुर्गियों में बर्ड फ्लू के अधिकांश प्रकोपों के लिए जिम्मेदार रहा है। हाल के समय में इस स्ट्रेन से संक्रमण स्तनधारियों सहित विभिन्न पशु प्रजातियों में भी पाया गया है। इसके अलावा मनुष्यों में संक्रमण के तीन मामले भी सामने आए हैं। ऐसे में इस वायरस के प्रसार को नियंत्रित करना जरूरी है, ताकि पोल्ट्री किसानों को होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करने के साथ मुर्गियों से अन्य पशुओं और मनुष्यों में संक्रमण फैलने का खतरा भी घटाया जा सके।

नौसेना ने पूरे किए समुद्र में लंबी दूरी की निगरानी के 50 साल

नई दिल्ली, 18 नवंबर (आईएएनएस)। भारतीय नौसेना ने लंबी दूरी की समुद्री निगरानी (एलआरएमआर) के 50 साल पूरे कर लिए हैं। 18 नवंबर 1976 को शुरू हुआ यह सफर आज अत्याधुनिक पी–8आई विमानों तक पहुंच चुका है। इन पांच दशकों में नौसेना ने समुद्र के विशाल क्षेत्र में निगरानी करने, दुश्मन की गतिविधियों का पता लगाने, पनडुब्बियों को खोजने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी क्षमता को लगातार मजबूत किया है।

इस स्वर्ण जयंती के साथ नौसेना के हवाई निगरानी दस्ते आईएनएएस 312 की स्थापना के भी 50 साल पूरे हो गए हैं। नौसेना के इस हवाई दस्ते को 'अल्बाट्रॉस' के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 18 नवंबर 1976 को गोवा के आईएनएस हंसा में हुई थी। उस समय भारतीय वायुसेना से पांच लॉकहीड सुपर कॉन्स्टेलेशन विमान लेकर इस दस्ते की शुरुआत की गई थी।

दरअसल, वर्ष 1971 के युद्ध के बाद नौसेना ने महसूस किया कि समुद्री सुरक्षा के लिए ऐसे विमानों की जरूरत है, जो समुद्र में लंबी दूरी तक जाकर निगरानी कर सकें और युद्धपोतों तथा हेलीकॉप्टरों के साथ मिलकर काम कर सकें। इसी जरूरत को देखते हुए नौसेना ने लंबी दूरी की समुद्री निगरानी की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद नौसेना की हवाई निगरानी क्षमता में लगातार इजाफा हुआ। वर्ष 1977 में इल्यूशिन आईएल–38 विमानों को शामिल करने से समुद्री निगरानी और पनडुब्बियों का पता लगाने की क्षमता मजबूत हुई।

नौसेना के मुताबिक, इसके बाद 1988 में आईएनएएस



312 में टुपोलेव टीयू–142एम विमान शामिल किए गए। इन विमानों ने नौसेना की पहुंच को हिंद महासागर क्षेत्र के दूर–दराज के हिस्सों तक बढ़ा दिया। इस तरह नौसेना के लिए समुद्र के बड़े हिस्से पर लगातार नजर रखना आसान हुआ। इस सफर में एक और बड़ी उपलब्धि वर्ष 2013 में मिली, जब अरक्कोनम स्थित आईएनएस राजाली में बोइंग पी–8आई विमानों को शामिल किया गया। इन अत्याधुनिक विमानों ने समुद्र के विशाल क्षेत्र में निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने, दुश्मन की गतिविधियों का पता लगाने, पनडुब्बियों की तलाश करने और समुद्री लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता को नई ताकत दी।

नौसेना की इस स्वर्ण जयंती पर उन सभी नौसैनिक पायलटों, अभियान दलों, तकनीकी कर्मचारियों और सहयोगी कर्मियों के योगदान को भी याद किया जा रहा है, जिन्होंने पांच दशकों तक इस क्षमता को विकसित करने और बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। सुपर कॉन्स्टेलेशन से शुरू होकर पी–8आई तक पहुंचा यह सफर भारतीय नौसेना की समुद्री निगरानी क्षमता में आए बड़े बदलाव और तकनीकी विकास की कहानी भी बयां करता है। ––आईएएनएस

ग्रामीण रोजगार योजना में शिकायतों के निपटारे के लिए जिला स्तर पर 'शिकायत निवारण अधिकारी' होंगे नियुक्त

नई दिल्ली, 18 नवंबर (हि.स.)। विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत ग्रामीण श्रमिकों की शिकायतों के निपटारे के लिए जिला स्तर पर 'शिकायत निवारण अधिकारी' (ओमबुड्स पर्सन) की व्यवस्था की गई है। ये शिकायत निवारण अधिकारी जॉब कार्ड, रोजगार, मजदूरी भुगतान, काम में देरी पर मुआवजा और कार्यस्थल पर सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करेंगे। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसके लिए शिकायत निवारण अधिकारी और अपीलीय प्राधिकरण से संबंधित दिशा–निर्देश जारी किए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, इन दिशा–निर्देशों का उद्देश्य योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना तथा ग्रामीण श्रमिकों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा करना है। इसके तहत शिकायत दर्ज कराने से लेकर उनके निपटारे और उस पर हुई कार्रवाई की निगरानी तक की व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

'शिकायत निवारण अधिकारी' के अधिकार क्षेत्र में जॉब कार्ड, रोजगार उपलब्ध कराने, मजदूरी भुगतान में देरी, देरी पर मुआवजा, कार्यस्थल पर सुविधाओं, मस्टर रोल और अन्य वैधानिक लाभों से वंचित किए जाने से जुड़ी शिकायतें शामिल होंगी। इसके अलावा भेदभाव, उत्पीड़न और महिलाओं तथा कमजोर वर्गों के श्रमिकों के अधिकारों के उल्लंघन से जुड़े मामलों पर भी सुनवाई होगी।

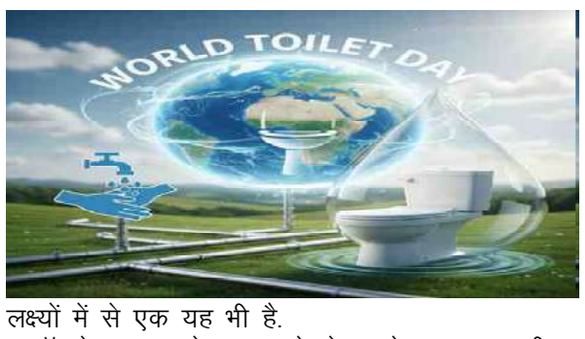
दिशा–निर्देशों में 'शिकायत निवारण अधिकारी' के लिए पात्र उम्मीदवारों का दायरा बढ़ाया गया है। ग्रामीण विकास, लोक प्रशासन, कानून, शिक्षा, सामाजिक कार्य और प्रबंधन के क्षेत्र में अनुभव रखने वाले लोग इस जिम्मेदारी के लिए पात्र होंगे।

लोगों को टॉयलेट के इस्तेमाल और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। विश्व भर में हर साल 19 नवंबर को 'वर्ल्ड टॉयलेट डे' (विश्व शौचालय दिवस) के रूप में मनाया जाता है. संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक विश्व में आज भी आधी से अधिक आबादी खासतौर पर भारत में लोग बिना शौचालय के जीवनयापन करने को मजबूर है. यह स्वास्थ्य के लिहाज से काफी खतरनाक है. लोगों को टॉयलेट के इस्तेमाल और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही हर साल 19 सितंबर को 'वर्ल्ड टॉयलेट डे' के रूप में मनाने की शुरूआत हुई.

विश्व शौचालय दिवस' का इतिहास बहुत ज्यादा पुराना नहीं है. साल 2001 में पहली बार इसकी शुरूआत विश्व शौचालय संगठन ने की थी. साल 2013 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी 'वर्ल्ड टॉयलेट डे' मनाने के प्रस्ताव को पास कर दिया गया था. बता दें कि विश्व शौचालय संगठन एक गैर लाभकारी संस्था है और यह दुनिया भर में स्वच्छता और शौचालय की स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रयासरत है.

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि आज भी विश्व में कई करोड़ लोग शौचालय का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं या उनके पास इसकी सुविधा नहीं है. ऐसे में इस दिवस को मनाने के पीछे यही उद्देश्य और संदेश है कि विश्व के तमाम लोगों को 2030 तक शौचालय की सुविधा मुहैया करा दी जाए. गौरतलब है कि सयुक्त राष्ट्र के 6 सतत विकास



लक्ष्यों में से एक यह भी है.

टॉयलेट का इस्तेमाल करने से न केवल हमारा जीवन सुरक्षित रहता है बल्कि कई बीमारियों के प्रसार का जोखिम भी कम होता है. वहीं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों पर गौर करें तो तकरीबन 4.2 अरब आबादी आज भी ठीक से शौचालय की सुविधा से महरूम है और गंदगी में जी रही है. वहीं 67. 3 करोड़ आबादी खुले में शौच करती है. इतना ही नहीं 3 मिलियन लोगों के पास हाथ धोने की सुविधा नहीं है. चौंकाने वाली बात यह है कि विश्व में हर दिन 1 हजार बच्चों की मृत्यु का कारण खुले में शौच करना है.

ये सब देखते हुए ही विश्व शौचालय दिवस मनाने की शुरूआत हुई. वर्ल्ड टॉयलेट डे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करता है और विश्व स्तर पर अच्छी हेल्थ के लिए साफ और स्वच्छ टॉयलेट तक पहुंच बनाने के संदर्भ में ध्यान केंद्रित करता है.

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 44 प्रतिशत बढ़कर 31.97 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात ने वित्त वर्ष 2026–27 की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। इस वित्त वर्ष के अप्रैल–सितंबर के दौरान देश का कुल इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात 44 प्रतिशत बढ़कर 31.97 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 22.20 अरब डॉलर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी साझा की।

बयान में कहा गया है कि जहां स्मार्टफोन निर्यात भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात कहानी की सबसे बड़ी ताकत बना हुआ है, वहीं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इससे भी तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जो निर्यात टोकरी के व्यापक और विविध बनने का संकेत है।

आंकड़ों के मुताबिक, स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल–सितंबर 2026 के दौरान 35.8 प्रतिशत बढ़कर 18.17 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 13.38 अरब डॉलर था। हालांकि स्मार्टफोन अब भी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा बने हुए हैं, लेकिन कुल निर्यात में उनकी हिस्सेदारी घटकर 60.3 प्रतिशत से 56.8 प्रतिशत



रह गई, जिसका मुख्य कारण अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की तेज वृद्धि है।

गैर–स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 56.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 8.81 अरब डॉलर से बढ़कर 13.79 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके परिणामस्वरूप कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में इस श्रेणी की हिस्सेदारी बढ़कर 39.7 प्रतिशत से 43.2 प्रतिशत हो गई। इससे संकेत मिलता है कि भारत अब केवल स्मार्टफोन निर्माण और निर्यात तक सीमित नहीं है, बल्कि उच्च मूल्य वाले इलेक्ट्रॉनिक घटकों और उपकरणों के निर्यात में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 10 फिल्में 'आईसीएफटी–यूनेस्को गांधी पदक' के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। आगामी 20 से 28 नवंबर, 2026 के दौरान गोवा में आयोजित होने वाले 57वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफी) में, दस भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्में प्रतिष्ठित 'आईसीएफटी–यूनेस्को गांधी पदक' के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। चुनी गई ये फिल्में शांति, सहिष्णुता, सहानुभूति, सामाजिक न्याय और अंतर–सांस्कृतिक संवाद जैसे विषयों को दर्शाती हैं, जो इस महोत्सव की मुख्य थीम 'सीमाओं के पार की कहानियां' (स्टोरीज विदाउट बॉर्डर्स) के अनुरूप हैं।

यूनेस्को के तत्वावधान में, पेरिस स्थित 'इंटरनेशनल काउंसिल फॉर फिल्म, टेलीविजन एंड ऑडियोविजुअल कम्यूनिकेशन' (सीआईसीटी–आईसीएफटी) के सहयोग से इफी के 46वें संस्करण में शुरू किया गया यह पुरस्कार उन फिल्मों को दिया जाता है, जो महात्मा गांधी के अहिंसा, सहिष्णुता, अंतर–सांस्कृतिक समझ और शांति की संस्कृति के आदर्शों को दर्शाती हैं।

चार–सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय जूरी की अध्यक्षता अल्जीरिया के प्रो. (डॉ.) अहमद बेदजाउई करेंगे, जो एक यूनिवर्सिटी प्रोफेसर, फिल्मकार, निर्माता और फिल्म समीक्षक हैं। जूरी के अन्य सदस्यों में यूनेस्को के सांस्कृतिक क्षेत्र के कार्यक्रम की पूर्व प्रमुख रह चुकी अर्जेंटीना और फ्रांस की मारिया क्रिस्टीना इग्लेसियस, सीआईसीटी–आईसीएफटी के पूर्व



महानिदेशक रहे लक्जमबर्ग के जॉर्जेस ड्यूपॉन्ट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्मकार एवं आईसीएफटी के सदस्य भारत के मनोज कदम शामिल हैं।

इस वर्ष की प्रतियोगिता के लिए चुनी गई दस फिल्में अलग–अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों की कहानियों को एक साथ लाती हैं। ये फिल्में मानवीय रिश्तों, सामाजिक चुनौतियों और साझा मूल्यों को रेखांकित करती हैं। अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की सूची में एमिली एटेफ द्वारा निर्देशित फिल्म 'कॉल मी क्वीन' शामिल है। जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और केन्या के सहयोग से बनी यह फिल्म 1990 के दशक के नैरोबी पर आधारित है। इसमें एक ऐसी अकेली मां की कहानी है, जो एड्स के निदान और सामाजिक अन्याय का सामना करते हुए एक अप्रत्याशित दोस्ती से ताकत पाती है। इस फिल्म का भारत में प्रीमियर इफी में होगा।

मराठी फिल्म 'गोंधल' ऑस्कर 2027 के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया

नई दिल्ली, 18 नवंबर। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि मराठी फिल्म "गोंधल" को ऑस्कर 2027 के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया है। संतोष दावखर द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म ग्रामीण महाराष्ट्र में आधारित है और एक नवविवाहित जोड़े के इर्द–गिर्द केंद्रित एक पारंपरिक अनुष्ठान की रात की कहानी बताती है।

चयन समिति के अध्यक्ष पी. शेषाद्री ने बताया कि 33 फिल्मों की सूची में से इस फिल्म को 99वें अकादमी पुरस्कारों के लिए सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर श्रेणी में भारत की प्रविष्टि के रूप में चुना गया था। "इस साल चार मराठी फिल्में, 14 हिंदी फिल्में और अन्य फिल्में आईं, सभी फिल्में अच्छी थीं। यह भारतीय सिनेमा, खासकर मराठी सिनेमा के लिए खुशी का क्षण है। इस बार आधिकारिक तौर पर श्गोंधलश की एंट्री हुई है," शेषाद्री ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। "हमने पिछले दस दिनों में विभिन्न भाषाओं की 33 फिल्में देखीं। कई अन्य अच्छी फिल्में भी थीं जिन पर हम विचार–विमर्श कर रहे थे। श्गोंधलश के अलावा 'अंग' और 'इक्कीस' भी शीर्ष तीन फिल्मों की सूची में थीं," उन्होंने आगे कहा।

धोनी ने आईपीएल को कहा अलविदा, अब चेन्नई सुपर किंग्स के बनेंगे मेंटर

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ी के रूप में अपने करियर को विराम दे दिया है। वह अब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मेंटर की भूमिका निभाएंगे। टीम ने 2027 सत्र से पहले उनके नई जिम्मेदारी संभालने की पुष्टि की है।

सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा कि धोनी हमेशा टीम की पहचान का हिस्सा रहेंगे और चेन्नई सुपर किंग्स ही उनका घर रहेगा। यह घोषणा आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की समयसीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले की गई।

मेंटर के रूप में धोनी टीम के नए सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे। इस स्टाफ की अगुआई जहीर खान मुख्य कोच के रूप में करेंगे। उन्होंने स्टीफन फ्लेमिंग की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है। धोनी और फ्लेमिंग की जोड़ी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच आईपीएल खिताब और दो चैंपियंस लीग टी20 ट्रॉफी दिलाई थीं।

धोनी के योगदान को याद करते हुए श्रीनिवासन ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। करीब दो दशकों से दोनों का साथ रहा है। इस दौरान टीम ने जीत, हार और कई उतार–चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि 2008 में धोनी को टीम का हिस्सा बनाने का फैसला उनके सबसे अच्छे फैसलों में से एक था। धोनी की उपलब्धियों के साथ उनका व्यक्तित्व भी उन्हें खास बनाता है।

धोनी 2026 आईपीएल सत्र में टीम का हिस्सा होने के बावजूद एक भी मुकाबला नहीं खेले थे। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में कुल 278 मैच खेले और 5439 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 137.46 रहा। उनके नाम 24 अर्धशतक और 264 छक्के दर्ज हैं। राइजिंग पुणे सुपरजायंट के साथ दो सत्र बिताने के अलावा उनका पूरा आईपीएल करियर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ रहा।

इतिहास के पन्नों में 19 नवम्बर

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (हि.स.)।

1824 – रुस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर में बाढ़ से दस हजार लोगों की मौत।
1895 – फ्रेडरिक ई ब्लेसडेल ने पेंसिल का पेंटेट कराया।
1933 – यूरोपीय देश स्पेन में महिलाओं को मताधिकार का अधिकार मिला।
1951 – अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1952 – स्पेन यूनेस्को का सदस्य बना।
1982 – नौवें एशियाई खेल दिल्ली में शुरु।
1986 – पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू हुआ।
1977 – मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की ऐतिहासिक इजराइल यात्रा।
1982 – नई दिल्ली में नौवें एशियाई खेलों की शुरूआत। लंबे अर्से के बाद देश में विशाल पैमाने पर खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।
1985 – अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव के बीच पहली मुलाकात। दोनों जिनेवा में एक शिखर सम्मेलन के दौरान मिले।
1994 – भारत की ऐश्वर्या राय मिस वर्ल्ड चुनी गईं।
1995–कर्णम मल्लेश्वरी ने भारोत्तोलन में विश्व कीर्तिमान बनाया।
1997 – कल्पना चावला अंतरिक्ष जाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
1998 – भारत समेत विश्व के कई देशों में लाखों लोग आकाश को देखते हुए निराश हुए, केवल जापान एवं थाईलैंड से निवासी ही दिवाली (उल्का पिंडों का पृथ्वी के वातावरण से टकराकर जलने का नज़ारा) मना सके, कैंब्रिज स्थित इंटरनेशनल बायोग्राफ़िकल सेंटर ने भरनाट्यम की प्रख्यात नृत्यांगना कोमला वर्धन को वर्ष 1998 का वूमेन आफ़ दी इयर पुरस्कार के लिए चुना।
2000 – पाकिस्तान की एक अदालत द्वारा पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की माँ नुसरल भुट्टो को 2 वर्ष के कठिन कारावास की सज़ा।
2002 – आस्कर पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता जेक्स कोबर्न का लास एंजिल्स में निधन।
2005 – पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने भारत को भूकम्प पीड़ितों के हित में कश्मीर समस्या सुलझाने का सुझाव दिया।
2006 – भारत ने परमाणु ऊर्जा और यूरेनियम सप्लाई के लिए आस्ट्रेलिया का समर्थन मांगा।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय

रिक्ति सूचना

F.No. 42-898/2023-TR दिनांक 13.11.2026

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा प्रशासन के अधीन पत्तन प्रबंधन बोर्ड में **"उप निदेशक (शिपिंग सेवा)"** (वर्ग 'क' राजपत्रित) के एक पद, जो कि 7 वें वेतन आयोग के तहत वेतन मैट्रिक्स रु. 67700 – 208700 के वेतन स्तर – 11 का है, को 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भरने का प्रस्ताव है।

इस पद से संबंधित पात्रता की मानदण्ड तथा निबंधं एवं शर्ते वेबसाइट www.andamannicobar.gov.in पर उपलब्ध है।

उप सचिव (नौवहन)

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, गोविन्द नगर, कैंपबल बे की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/90

1. गोविन्द नगर ग्राम पंचायत के अंर्तगत कैंपबेल बे वार्ड संख्या 06 में जगनाथ के घर से बी. लक्ष्मी के घर तक सी सी ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव, साथ ही हैंड रेलिंग लगाना। 2. गोविन्द नगर ग्राम पंचायत के अंर्तगत कैंपबेल बे वार्ड संख्या 06 में सयाम्मा के घर से एन. नारायण के घर तक सी सी ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव, साथ ही हैंड रेलिंग लगाना।

3. गोविन्द नगर ग्राम पंचायत के अंर्तगत कैंपबेल बे वार्ड संख्या 06 में कांतम्मा के घर से जी. मोहन राव के घर तक सी सी ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव, साथ ही हैंड रेलिंग लगाना (पुनः निविदा)।

अनुमानित लागत : रु. 12,65,492/–, धरोहर राशि : रु. 25,310/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 25/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25973_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, फरारगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन.आई.टी.संख्या : क.अ./पी.आरआई/एस ए डी–।/आर आर(सीसीए)/2026–27/187

कार्य का नाम : समिति द्वारा शोल बे ग्राम पंचायत के अंर्तगत शोल बे 10 में मुख्य सड़क से चर्च टीएमसी कंप्यूटर सेंटर रूम तक सी सी रोड का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 6,71,634/–, धरोहर राशि : रु. 13,433/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 25/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25972_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

शपथ पत्र

मैं, सेना संख्या 5352324 एन, पद – हवलदार/लिपिक, नाम टिप्पन्ना वग्गर, वर्तमान में मिलिट्री स्टेशन, ब्रिचगंज, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, पिन कोड – 744103 में निवासरत हूँ। मैं सत्यनिष्ठापूर्वक शपथ लेकर निम्नलिखित कथन करता हूँ :

1. यह कि मेरे सेवा अभिलेख में मेरे पिता एवं माता का नाम क्रमशः गंगप्पा (पिता) तथा फक्कीरव्वा (माता) दर्ज है। जबकि उनके आधार कार्ड के अनुसार मेरे पिता का नाम आधार कार्ड संख्या 9215 8212 1462 में गंगप्पा टिप्पन्ना वग्गर तथा मेरी माता का नाम आधार कार्ड संख्या 6195 7538 1089 में फक्कीरव्वा गंगप्पा वग्गर दर्ज है।
2. यह कि गंगप्पा एवं गंगप्पा टिप्पन्ना वग्गर मेरे पिता के एक ही व्यक्ति के नाम हैं तथा फक्कीरव्वा एवं फक्कीरव्वा गंगप्पा वग्गर मेरी माता के एक ही व्यक्ति के नाम हैं।
3. यह कि मैं यह शपथ पत्र इस उद्देश्य से प्रस्तुत कर रहा हूँ कि उपयुक्त नामों में अंतर होने के बावजूद वे एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे माता–पिता के नाम हैं।
4. यह कि उपर्युक्त सभी कथन मेरी जानकारी, सूचना एवं विश्वास के अनुसार पूर्णतः सत्य एवं सही हैं तथा इसमें कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छुपाया नहीं गया है।

दिनांकः 18/11/26
स्थानः श्री विजयपुरम

शपथकर्ता

Directorate Of Health Services
Andaman & Nicobar Administration

Opening of Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Kendras in the Andaman and Nicobar Islands

F.No.9-10/DD(MED)/DHS/JANAUSHADI/2023/VOL III/144 SVP, dated 17th Oct, 2026

With a view to promoting the availability of quality generic medicines at affordable prices to the public, interested individuals, entrepreneurs, proprietors, NGOs, charitable organisations, trusts, societies, firms and private companies are encouraged to explore the opening of Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Kendras under the Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana (PMBJP) in the Andaman and Nicobar Islands.

Eligible applicants may apply directly through the official PMBI portal, subject to the prevailing scheme guidelines, eligibility conditions and statutory requirements. Applicants are required to fulfil the prescribed conditions, including availability of suitable premises, engagement of a qualified registered pharmacist, obtaining the requisite drug licence and submission of the documents required by PMBI.

Interested applicants may refer to the official website for the detailed guidelines, application procedure and prescribed documents:

Website: https://www.janaushadhi.gov.in/apply-for-kendra

For scheme-related information, applicants may contact PMBI through the contact details provided as under:

Chief Executive Officer,
Pharmaceuticals & Medical Devices Bureau of India (PMBI)
Office At: B-500, Tower B, 5th Floor, World Trade Center,
Nauroji Nagar, New Delhi- 110029. Tel- 011-49431800

The opening and operation of each Kendra shall be subject to approval by PMBI and compliance with all applicable statutory and scheme requirements.

Director of Health Services
Directorate of Health Services
A&N Administration
Sri Vijaya Puram

नाम परिवर्तन की सूचना

मैं, शाहिद (SHAHID), पत्नी रसीद खान (Raseed Khan), निवासी ग्राम लोहारबतरा, तहसील/पोस्ट बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, ने अपना नाम बदलकर सहिदा खान (SAHIDA KHAN) रख लिया है। अब से मैं सभी उद्देश्यों के लिए सहिदा खान (SAHIDA KHAN) के नाम से जानी जाऊँगी।

शपथकर्ता

देशभर में मनाया गया 9वां प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। बुधवार को देश भर में नौवां प्राकृतिक चिकित्सा दिवस 'प्राकृतिक चिकित्सा, स्वस्थ भारत' विषय के तहत मनाया गया, जिसमें निवारक स्वास्थ्य देखभाल, स्वस्थ जीवन शैली और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में प्राकृतिक चिकित्सा और प्रकृति–आधारित स्वास्थ्य देखभाल की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

आयुष मंत्रालय के अधीन केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरआईएन) द्वारा पुणे स्थित राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन) के सहयोग से कर्नाटक के नागमंगला स्थित केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (सीआरआईएवाईएन) में राष्ट्रीय स्तर का समारोह आयोजित किया गया था।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव तथा आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कार्यक्रम के दौरान वीडियो संदेशों के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं दीं।

अपने संदेश में जाधव ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों से स्वस्थ आदतें अपनाने और स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने और जन जागरूकता बढ़ाने में चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, संस्थानों और अन्य हितधारकों के योगदान को भी सराहा। कोटेचा ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल, जीवनशैली को बढ़ावा देने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने में प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस प्रणाली को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी आवश्यक हैं और लोगों को सूचित और टिकाऊ स्वास्थ्य पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारत में टेनिस का रोमांच बढ़ाएगी वर्ल्ड टेनिस लीग

बेंगलुरु, 18 नवंबर (हि.स.)। वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) अपने पांचवें सीजन के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस के कुछ सबसे बड़े नामों को बेंगलुरु लाने के लिए तैयार है। 16 खिलाड़ियों की सूची में पूर्व विश्व नंबर–3 एलिना स्वितोलिना, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिक, पूर्व विश्व नंबर–1 करोलिना प्लिस्कोवा, विंबलडन फाइनलिस्ट निक किर्गियोस और दो बार के विंबलडन डबल्स चैंपियन हैरी हेलियोवारा मुख्य आकर्षण होंगे। आइकॉनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स द्वारा लाइसेंस प्राप्त और प्रबंधित यह लीग 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। सीजन 5 में चार टीमें एक्रिक्स ईगल्स, गेम चेंजर्स फाल्कन्स, ऑसी मावेरिक्स काइट्स और वीबी रियल्टी हॉक्स हिस्सा लेंगी। इनमें आठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के आठ प्रमुख टेनिस खिलाड़ी एक साथ खेलेंगे।

धीरे–धीरे उत्तर की ओर बढ़ रहा है 'अकवान' तूफान

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिणी और उससे सटे पश्चिम–मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में बना चक्रवाती तूफान अकवान धीरे–धीरे उत्तर की ओर बढ़ा है और फिलहाल इसी क्षेत्र में केंद्रित है। इसके कल शाम तक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने का अनुमान है। इसके शुक्रवार दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश और यानम के तटों पर नेल्लोर और विशाखापत्तनम के बीच अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में पहुंचने की आशंका है। इस दौरान हवा की अधिकतम रफ्तार 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों के साथ 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। विभाग ने मछुआरों को शुक्रवार तक दक्षिण–पूर्वी, दक्षिण–पश्चिमी, पश्चिम–मध्य और उत्तर–पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

इस बीच, विभाग ने आज तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा में तेज बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले दो से तीन दिनों के दौरान रायलसीमा, तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल में गरज–चमक के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में भी इसी अवधि में ऐसे ही मौसम की संभावना व्यक्त की गई है।

उधर, दिल्ली–एनसीआर में वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आज सुबह सात बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 214 दर्ज किया गया।

समुद्र के खारे पानी से बनेगा मीठा जल, उसी से मिलेगी ठंडी हवा, भारतीय वैज्ञानिकों ने खोजा दोहरी समस्या का एक समाधान



नई दिल्ली, 18 नवंबर (हि.स.)। समुद्र का खारा पानी अब पीने योग्य मीठे पानी में बदलने के साथ भीषण गर्मी से राहत देने वाली ठंडी हवा भी उपलब्ध करा सकेगा। भारत के वैज्ञानिकों ने ऐसी तकनीक विकसित की है, जो एक ही प्रणाली से पेयजल और शीतलन की दोहरी जरूरत पूरी करने की क्षमता रखती है। भारत के विस्तृत समुद्री तटवर्ती क्षेत्रों, दूरस्थ गांवों और द्वीपों में पेयजल संकट से निपटने के साथ गर्मी और उमस से राहत देने की दिशा में यह अनुसंधान नई संभावनाएं खोलता है।

दरअसल, सौर ऊर्जा से संचालित होने वाली इस प्रणाली के प्रयोगशाला परीक्षण में 12.4 लीटर प्रति घंटे तक मीठे पानी का उत्पादन और 6.57 किलोवाट तक शीतलन क्षमता प्रदर्शित की गई है। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बीआईटीएस), पिलानी के हैदराबाद परिसर के शोधकर्ताओं के इस नवाचार को भारतीय पेटेंट मिल गया है।

आमतौर पर समुद्री जल को पीने योग्य बनाने के लिए विलवणीकरण संयंत्र और वातावरण को ठंडा रखने के लिए एयर कंडीशनिंग या अन्य शीतलन उपकरणों की आवश्यकता होती है। दोनों व्यवस्थाओं में अलग–अलग ऊर्जा खर्च होती है। बीआईटीएस के वैज्ञानिकों ने इन प्रक्रियाओं को एकीकृत कर ऐसी प्रणाली विकसित की है, जिसमें समुद्री जल का शुद्धिकरण और हवा का शीतलन एक साथ होता है।

अनुसंधान का नेतृत्व करने वाले मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संदीप एस. देशमुख ने बताया, "हमारा उद्देश्य ऐसी तकनीक विकसित करना था, जो समुद्री जल से मीठा पानी तैयार करने के साथ शीतलन की जरूरत भी पूरी कर सके। सामान्यतः इन दोनों कार्यों के लिए अलग–अलग प्रणालियों की आवश्यकता होती है। हमने दोनों प्रक्रियाओं को एकीकृत कर ऊर्जा के बेहतर उपयोग की संभावना विकसित की है। सौर ऊर्जा से इसका संचालन इसे उन तटीय और दूरस्थ क्षेत्रों के लिए उपयोगी बना सकता है, जहां पेयजल और बिजली की उपलब्धता चुनौती बनी हुई है।"

उन्होंने बताया, इस तकनीक में पहले परिवेश की हवा को गर्म करके आर्द्रीकरण इकाई से गुजारा जाता है। इस दौरान हवा समुद्री या खारे पानी से नमी ग्रहण करती है। इसके बाद नम हवा को ठंडा किया जाता है, जिससे उसमें मौजूद जलवाष्प संघनित होकर पानी की बूंदों में बदल जाती है। इन बूंदों को एकत्र कर मीठा पानी प्राप्त किया जाता है। इसी प्रक्रिया में निकलने वाली ठंडी और नमी रहित हवा का उपयोग शीतलन के लिए किया जा सकता है।

इस प्रणाली की खासियत इसके अलग–अलग परिचालन विन्यास का होना हैं। इनके माध्यम से मौसम, वातावरण की आर्द्रता और स्थानीय जरूरतों के अनुसार पानी उत्पादन तथा शीतलन के बीच संतुलन बनाया जा सकता है। पेयजल की मांग अधिक होने पर बहु–चरणीय संचालन से उत्पादन बढ़ाने और गर्मी तथा उमस अधिक होने पर शीतलन को प्राथमिकता देने की व्यवस्था है। शोध में लगे प्रोफेसर शांतनु प्रसाद दत्ता का कहना है, "इस अनुसंधान की प्रमुख विशेषता इसका पांच अलग–अलग परिचालन विन्यासों में काम करना है। मौसम, वातावरण की आर्द्रता और स्थानीय जरूरतों के अनुसार मीठे पानी के उत्पादन तथा शीतलन के बीच संतुलन बनाया जा सकता है। प्रयोगशाला परीक्षणों में हमने 12.4 लीटर प्रति घंटे तक मीठे पानी का उत्पादन और 6.57 किलोवाट तक शीतलन क्षमता प्रदर्शित की है। ये परिणाम इस एकीकृत तकनीक की संभावनाओं को सामने रखते हैं।"

शोधकर्ताओं ने विभिन्न मौसमों और परिवेशीय परिस्थितियों में प्रणाली का प्रदर्शन परखने के लिए प्रयोगशाला स्तर का प्रोटोटाइप तैयार किया। परीक्षणों में अधिक आर्द्रता वाली परिस्थितियों में दोहरे चरण के विन्यास से 12.4 लीटर प्रति घंटे तक मीठे पानी का उत्पादन दर्ज किया गया। अलग–अलग परिचालन स्थितियों में अधिकतम 6.57 किलोवाट शीतलन क्षमता प्रदर्शित हुई। प्रणाली से निकलने वाली हवा का तापमान 14 डिग्री सेल्सियस तक कम दर्ज किया गया।

इस प्रोटोटाइप को भारतीय जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन लगभग 200 लीटर मीठे पानी के उत्पादन के लक्ष्य के साथ विकसित किया गया है। शोधकर्ताओं के आर्थिक आकलन में मीठे पानी की न्यूनतम अनुमानित उत्पादन लागत 30 पैसे प्रति लीटर सामने आई है। यह प्रयोगशाला आधारित आकलन है, जबकि इसके व्यावसायिक स्तर पर उपयोग करने पर उक्त लागत के इससे बहुत कम आने की बात कही जा रही है।

राष्ट्रीय नवजात शिशु देखभाल सप्ताहः शिशुओं के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और टीकाकरण के प्रति जागरूकता फैलाना है इसका उद्देश्य



नई दिल्ली, 18 नवम्बर। देशभर में हर वर्ष 15 से 21 नवंबर तक राष्ट्रीय नवजात शिशु दिवस, देखभाल सप्ताह मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं की उचित देखभाल, उनके स्वास्थ्य और शिशु मृत्यु दर को कम करने के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। इसकी शुरुआत वर्ष 2000 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी।

नवजात शिशु दिवस 15 नवंबर से शुरू होकर 21 नवंबर तक चलता है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न चिकित्सा संस्थानों की ओर से नवजात शिशुओं के पोषण, स्वच्छता, समय पर टीकाकरण और मां के दूध (स्तनपान) के महत्व से जुड़ी जानकारियां दी जाती हैं। बता दें कि राष्ट्रीय नवजात शिशु देखभाल सप्ताह की शुरुआत बाल दिवस के एक दिन बाद से शुरू होती है। इससे पहले नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य, पोषण और देखभाल को लेकर पर्याप्त जागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और बीमारियों से बचाव के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता के लिए हर वर्ष 7 नवंबर को 'शिशु सुरक्षा दिवस' मनाया जाता है। नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल और उनके स्वस्थ भविष्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य शिशुओं का उचित स्वास्थ्य देखभाल, सही पोषण और टीकाकरण के जरिए शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस दिवस की शुरुआत 1990 के दशक में यूरोपीय देशों द्वारा की गई थी, जिसके बाद से हर साल यह दिवस विश्वस्तर पर मनाया जा रहा है। शिशु सुरक्षा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम और समारोह आयोजित कर माता–पिता के बीच इस बात को लेकर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाता है कि बच्चे के जन्म के साथ ही कई बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं, जो बच्चे के स्वास्थ्य और उसके सुरक्षित भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस दिन बच्चों को समय पर बचाव के टीके लगवाने, विटामिन 'ए' देने और उन्हें संतुलित पोषण उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाता है।

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कुल आबादी में 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत से ज्यादा थी। वहीं, कुल जनसंख्या का 30.76 प्रतिशत हिस्सा 0 से 14 वर्ष के बच्चों का था।

बार–बार पेट फूलने के पीछे आपकी डाइट हो सकती है जिम्मेदार, डॉक्टर ने गिनाए ब्लोटिंग बढ़ाने वाले फूड्स



नई दिल्ली, 18 नवम्बर। आजकल बहुत से लोग पेट फूलने यानी ब्लोटिंग की समस्या से परेशान रहते हैं। कई बार खाना खाने के बाद पेट भारी महसूस होने लगता है या गैस और असहजता की परेशानी होने लगती है। डॉक्टर शुभम वत्स कहते हैं कि इसके पीछे आपकी रोजाना की डाइट भी जिम्मेदार हो सकती है। कुछ ऐसे फूड्स हैं, जिनका सेवन ब्लोटिंग की समस्या को बया सकता है। आइए डॉक्टर से जानते हैं किन चीजों को खाने से ब्लोटिंग की समस्या बन सकती है?

राजमा– राजमा में रेफिनोज और बहुत सारे फर्मेंटेबल कार्बोहाडट्रेड्स होते हैं। ये छोटी आंत में अच्छी तरह से नहीं पचता है जिससे आंतों में गैस और पेट फूलने की समस्या होती है जिससे ब्लोटिंग हो सकती हैं. दरअसल, राजमा फाइबर से भरपूर होता है, जिसे पचाने में कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है जिससे गैस बन सकती है। राजमा में मौजूद कुछ कार्बोहाइड्रेट संवेदनशील पाचन तंत्र वाले लोगों में ब्लोटिंग बया सकते हैं।

छोले– छोले सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। नमें प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कई विटामिन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। लेकिन इनमें फर्मेंटेबले कार्ब्स और फाइबर हाई होता है। तो ऐसे में अगर आप ज्यादा पोर्शन में छोले खाते हैं खासकर डिनर में तो गैस और ब्लोटिंग की समस्या बय सकती है।

प्याज– भारतीय खानपान में प्याज सबसे जरूरी सामग्री मानी जाती है लेकिन यह ब्लोटिंग की समस्या को बया सकती है। दरअसल, प्याज में फ्रक्टन्स नामक एक खास तरह का कार्बोहाइड्रेट होता है, जो कई लोगों में पेट फूलने और गैस की समस्या को बया सकता है।

दूध– दूध पीने से ब्लोटिंग की समस्या बयती है। दरअसल, दूध में लैक्टोज नाम की प्राकृतिक शुगर होती है। इसे पचाने के लिए शरीर में 'लैक्टेज' एंजाइम की जरूरत होती है। जब शरीर में इस एंजाइम की कमी होती है, तो लैक्टोज पूरी तरह पच नहीं पाता और बड़ी आंत में पहुंचकर बैक्टीरिया द्वारा फर्मेंट होता है, जिससे गैस और ब्लोटिंग होती है।